



युवा प्रभाग - दिव्य दर्पण
सितम्बर, 2023 के पुरुषार्थ की पॉइंट्स

सितम्बर मास का चार्ट:
लक्ष्य: व्यर्थ संकल्प मुक्त

व्यर्थ संकल्प अपवित्रता है। पवित्रता की परिभाषा बहुत गुह्य है। पवित्रता जहां होगी वहाँ निश्चय, सच्चाई-सफाई होगी। बापदादा की विशेष पसंदगी और ज्ञान का फाउंडेशन पवित्रता है। बाबा से प्यार हम सभी का पदम गुना है। उस प्यार का सबूत है कि हम अपने व्यर्थ संकल्प को न्योछावर करें। व्यर्थ संकल्प का आधार विशेष दो कमजोरियाँ हैं: देह अभिमान और अपमान। ज्ञानी आत्माओं में या तो अपने गुण का, अपनी विशेषता का अभिमान आता है या तो जितना आगे बढ़ते हैं उतना अपनी किसी भी बात में कमी को देख करके, कमी अपने पुरुषार्थ की नहीं लेकिन नाम में, शान में, पूछने में, आगे आने में, सेंटर इनचार्ज बनाने में, विशेष पार्ट देने में – ये कमी, ये व्यर्थ संकल्प भी विशेष ज्ञानी आत्माओं के लिए बहुत नुकसान करता है।

तो आईये, हम व्यर्थ संकल्प को बाबा के प्यार के पीछे न्योछावर कर प्यार का सबूत दे और बाप समान बने।

सप्ताह	दिव्य दर्पण का पुरुषार्थ
पहला	ड्रामा के हर सीन को साक्षी हो देखना है।
दूसरा	स्वयं को निमित्त समझना
तीसरा	सदा संतुष्ट रहना
चौथा	स्वमान में रहना

हर सप्ताह का जो लक्ष्य दिया है उसका अभ्यास एवं चिंतन करना है। उस पर कम से कम 10 लाइन्स में अनुभव लिखना है। रोज रात को चेक करना है कि हम कितना % व्यर्थ संकल्प मुक्त बनें।

- **विशेष Activity:** मास के हर रविवार को सभी युवा एवं दिव्य दर्पण चार्ट भरने वाले भाई-बहनों का वर्कशॉप रखें। जिसमें ग्रुप बनाकर उन्हें निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार विमर्श कराएं: (एक रविवार का सेम्पल)
 1. व्यर्थ संकल्प क्या है?
 2. व्यर्थ संकल्प क्यों आते हैं?
 3. व्यर्थ संकल्प से मुक्त होने के लिए क्या पुरुषार्थ करना है?
 4. Action Plan बनाएं।
- **फ्रेम बुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिंदु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:**
 1. गुड मॉर्निंग - 3.30
 2. अमृतवेला-3.30 से 4.45
 3. व्यायाम/पैदल हाँजी
 4. ट्रैफिक कंट्रोल - 5
 5. मुरली क्लास - क्लास में सुनी
 6. अव्यक्त मुरली पढ़ी? हाँ

7. नुमाशाम का योग-हाँ जी 8. स्वमान की स्मृति-बहुत अच्छी
9. व्यर्थ संकल्प मुक्त - 80% 10. गुड नाईट - रात्रि - 10.30

• इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बांधेंगे:

- सदा देह अभिमान से मुक्त रहने का पुरुषार्थ करेंगे।
- सदा अपमान से परे रहना है।

- **अभ्यास:** हर घंटे एक मिनट के लिए प्यार के सागर शिवबाबा से सच्चे प्यार की किरणों को अनुभव करें और आत्माओं पर उस रूहानी प्यार की वर्षा करें।

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिंतन कर 10 पॉइंट्स लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरूर लिखें।

सप्ताह	स्वमान
पहला	मैं आत्मा साक्षी दृष्टा हूँ।
दूसरा	मैं आत्मा निमित्त हूँ।
तीसरा	मैं आत्मा संतुष्टमणि हूँ।
चौथा	मैं आत्मा विशेष हूँ।

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com Website:
www.bkyouth.org